आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 189 | उज्जैन, रविवार 01 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

नागरिक देवो भवः वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है - प्रधानमंत्री श्री मोदी

हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। समाज में बड़ा परिवर्तन लाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देवी अहिल्या के प्रेरक कथन ÷जो कुछ भी हमें मिला है वह जनता द्वारा दिया ऋण है- जिसे हमें चुकाना है÷ का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए कार्य कर रही है, ÷नागरिक देवो भवः÷ वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि ÷जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है÷, उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है, सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं- बहने -बेटियां हैं। देश में गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर घर माता -बहनों के नाम पर हैं, वे पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, माता-बहनों को असुविधा न हो और बेटियां पढ़ाई लिखाई में ध्यान दे सकें, इस उद्देश्य से बिजली, उज्जवला गैस भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधाएं माता बहनों के सम्मान का विनम्र प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।

भारत ने तुर्किये का रक्षा क्षेत्र में पैर जमाने का सपना किया चकनाचूर, पाकिस्तान संघर्ष में मारे गए थे सभी ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में पीछे से कुछ देश पाकिस्तान की मदद कर रहे थे जिसमें एक देश तुर्किये भी था। जिसकी एक समय भारत ने काफी मदद की थी। तुर्किये ने पाकिस्तान को अपना सबसे खतरनाक बायरकटर टीबी2 ड्रोन भारत के खिलाफ लड़ाई में दिया था लेकिन तुर्किये के इस ड्रोन को भारतीय रक्षा प्रणाली ने चकनाचूर कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तुर्किये के बहुचर्चित बायरकटर टीबी2 ड्रोन के भारत के साथ लड़ाई में विफल होने के बाद उसकी प्रतिष्ठा को झटका लगा है और जिसके बाद तुर्किये के रक्षा क्षेत्र में पैर जमाने का सपना टूटता दिख रहा है।

स्वदेशी आकाशतीर वायु रक्षा प्रणालियों का उपयोग करते हुए भारतीय सुरक्षा बलों ने मई के संघर्ष में तुर्किये मूल के ड्रोन को मार गिराया, जिसके बाद अब तुर्किये को रक्षा क्षेत्र में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है और कई कंपनियां डिब्बा बंद होने की कगार पर हैं।

तुर्किये का बायरकटर टीबी2 ड्रोन यूक्रेन से लेकर लीबिया तक के संघर्षों में क्रांतिकारी हथियार के रूप में प्रचारित किया गया। बायरकटार टीबी2 उतना निर्णायक नहीं था जितना इसके समर्थकों ने दावा किया था।

तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, देशभर में 2700 के पार पहुंचे एक्टिव केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक बार फिर से कोरोना पैर पसार रहा है और कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। चीन, सिंगापुर औ हॉन्गकॉन्ग जैसे देशों में बढ़ते केस के बीच भारत में भी लोगों में कोविड-19 को लेकर डर का माहौल है।

इन दिनों कोरोना के एक या दो नहीं, बल्कि चार वैरिएंट एक्टिव हैं। देश में कोरोना के कुल एक्टिव केस 2710 हैं। पिछले 24 घंटों में 511 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही 255 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं।

बात करें कोरोना से मौत की तो सात लोगों की मौत भी हुई है। जनवरी से लेकर अभी तक कोरोना को हराकर 1710 लोग ठीक भी हुए हैं। वहीं अब तक कुल 22 लोगों की मौत भी हो चुकी है। देश के अलग-अलग राज्यों में कोरोना संक्रमण देखने को मिल रहा है।

भारत में केरल से सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। केरल में कुल एक्टिव केस 1147 है। महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर है, जहां कुल एक्टिव केस 424 है।

पाकिस्तान ने मार गिराए 6 लड़ाकू विमान? CDS अनिल चौहान ने खोली शहबाज शरीफ की पोल, बताया सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी समाचार चैनल ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तान के झूठ की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल शहबाज शरीफ ने दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट्स मार गिराए हैं। अब सीडीएस ने पाक के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है।

ब्लूमबर्ग द्वारा पूछे गए सवाल पर अनिल चौहान ने कहा- बिल्कुल गलत। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान भारतीय जेट्स के नुकसान की बात स्वीकार की। लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि कितने जेट्स को नुकसान हुआ।

सिंगापुर पहुंचे हैं अनिल चौहान- बता दें कि सीडीएस अनिल चौहान शांगरी-ला डायलॉग में हिस्सा लेने के लिए सिंगापुर पहुंचे हैं। विमानों के नुकसान के सवाल पर सीडीएस ने कहा कि यह पता लगाना अधिक महत्वपूर्ण होता है कि विमानों को नुकसान क्यों हुआ, ताकि सेना अपनी रणनीति में सुधार कर सके और फिर जवाबी हमला कर सके।

अनिल चौहान ने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम अपनी टैक्टिकल गलतियों को समझने में सक्षम थे, जिन्हें हमने सुधारा और फिर दो दिनों बाद इंप्लीमेंट किया। हमने अपने सभी जेट विमानों को फिर से लंबी दूरी पर निशाना बनाकर उड़ाया।

प्राइवेट कंपनी ने बनाया तेजस के बीच का हिस्सा, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे भारत की सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। इसी के तहत एक प्राइवेट कंपनी ने पहली बार एलसीए तेजस एमके1ए लड़ाकू विमान का बीच का हिस्सा सेंटर फ्यूजलेज असेंबली बनाकर हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सौंप दिया है। फ्यूजलेज, विमान का हिस्सा होता है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया, हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके1ए के लिए पहली सेंटर फ्यूजलेज असेंबली 30 मई को हैदराबाद में मेसर्स वीईएम टेक्नोलाजीज ने एचएएलको सौंप दी।

एसएएल का दो प्रोडक्शन लाइन बेंगलुरु और एक नासिक में- हैदराबाद में हुआ यह हस्तांतरण एलसीए तेजस एमके1ए के चौथे प्रोडक्शन लाइन के लिए महत्वपूर्ण है। इस समय एसएएल का दो प्रोडक्शन लाइन बेंगलुरु, वहीं एक नासिक में है। यह हस्तांतरण सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डीके सुनील की उपस्थिति में हुआ।

सचिव (रक्षा उत्पादन) ने एलसीए एमके 1ए के उत्पादन में तेजी लाने के लिए एचएएल और वीईएम टेक्नोलाजीज के बीच साझेदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन में लगभग 10 प्रतिशत वार्षिक दर से महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है। हमारे रक्षा निर्यात में भी वृद्धि हो रही है।

मणिपुर संकट का दीर्घकालिक समाधान जरूरी, बैठक में विधायकों ने रखे अपने मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के मणिपुर के विधायकों ने शुक्रवार रात पूर्व मंत्री बिस्वजीत के घर पर बैठक की। विधायकों ने कहा कि राज्य में संकट का दीर्घकालिक समाधान जरूरी है। यह समाधान राजनीतिक इच्छाशक्ति, समावेशी संवाद, संवैधानिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के निष्पक्ष समर्थन के स्तंभों पर आधारित होना चाहिए।

23 विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है, हम मणिपुर के लोगों द्वारा पिछले दो वर्षों में सहन किए गए दुख को महसूस करते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप में हमारा दृढ़ विश्वास है कि संकट का दीर्घकालिक समाधान संभव भी है और आवश्यक भी।

लगातार चौथे साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना भारत, वित्त मंत्री बोलीं- सेवा और कृषि क्षेत्र का खास योगदान

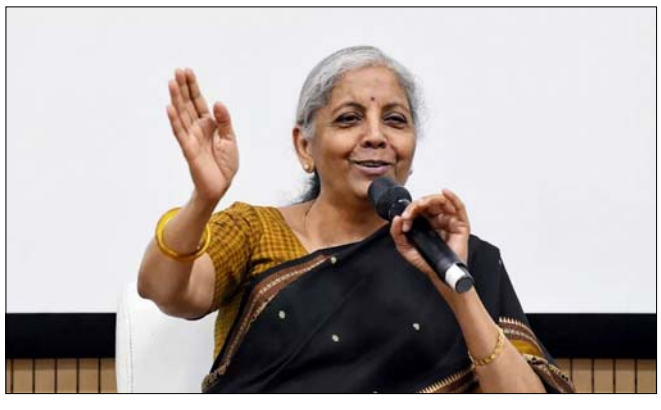

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत लगातार चौथे साल सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कि भारत लगातार चौथे साल सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी जीडीपी वृद्धि की गति को बनाए रख रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान भारत की विनिर्माण गतिविधि अच्छी रही है। वहीं, तिमाही के दौरान 7.4 प्रतिशत और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज करने में मदद की है।

भारत ने विकास को बनाए रखा- केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत विकास को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि यह लगातार चौथा साल है जब भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। उन्होंने इसका श्रेय छोटे, मध्यम और बड़े उद्योगों के काम को दिया है। सीतारमण ने कहा कि उद्योग जो आ रहे हैं और सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारी विनिर्माण क्षमता, हमारी सेवा क्षमता सभी बरकरार हैं। कृषि ने भी कोविड के दौरान और उसके बाद भी हमें बनाए रखा है।

दरअसल, लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए निर्मला सीतारण ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान ऐसी राय थी कि उद्योग पर्याप्त निवेश नहीं कर रहा है, क्षमता में वृद्धि नहीं हो रही है और इसका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव भी सवालिया निशान है।

हर बाधाओं पर बात करने के लिए सरकार तैयार- निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार हर साल विनियामक कठिनाइयों को दूर करने और नरम-स्पर्श विनियमन लाने के लिए काम कर रही है, जिससे लोग बिना किसी संदेह के व्यापार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि वह विनियामक बाधाओं को कम करने में व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए सुझाव प्राप्त करने के लिए तैयार हैं।

वित्त मंत्री कहा कहना है कि हम भारत के इतिहास के उस दौर में हैं, जहां हमें अपने देश की क्षमताओं पर भरोसा रखने और यह विश्वास रखने की जरूरत है कि हम निश्चित रूप से उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। हम कब तक यह कहते रहेंगे कि हम विकासशील देश हैं।

बेशर्मी की सारी हदें पार! शहबाज के मंत्रियों ने आतंकियों के साथ मंच किया साझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में आतंकवादी पलते हैं ये सभी को पता है। लेकिन, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी थू-थू कराने के बाद भी पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान की सरकार के साथ आतंकवादियों का गठजोड़ एक बार फिर से उजागर हुआ है।

28 मई को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में परमाणु परीक्षण की सालगिरह पर एक रैली का आयोजन किया गया था। इस यौम-ए-तकबीर कहते हैं। इस रैली से जुड़ी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें पाकिस्तान सरकार के मंत्री आतंकवादियों के साथ मंच साझा करते दिख रहे हैं।

क्या है तस्वीर में- जो तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं उसमें पाकिस्तान सरकार के खाद्य मंत्री मलिक रशीद अहमद खान और पंजाब विधानसभा अध्यक्ष मलिक मुहम्मद अहमद खान दिख रहे हैं। इन दोनों मंत्रियों के साथ लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी सैफुल्लाह कसूरी, तल्हा सई और आमिर हमजा भी दिख रहे हैं। तल्हा सईद लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा है। ये लोग भारत के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं।

शहबाज सरकार की बड़ी घोषणा- इस दौरान शहबाज के मंत्रियों ने आतंकियों का स्वागत किया और उन्हें गले भी लगाया। इतना ही नहीं उनकी तारीफ में भाषण भी दिए। इस दौरान मलिक रशीद ने कहा कि 24 करोड़ पाकिस्तानी हाफिज सईद और सैफुल्लाह कसूरी जैसे लोगों का समर्थन करते हैं।

शहबाज के मंत्री ने आतंकवादियों के अपने देश का नायक भी बताया और यह भी घोषणा की कि पाकिस्तान की सरकार मुदासिर के भाई को नौकरी देगी। बता दें, मुदासिर लश्कर का कमांडर था और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वह मारा गया था।

कौन है सैफुल्लाह कसूरी- सैफुल्लाह कसूरी पहलगाम आतंकी हमले का मुख्य आरोपी है।

पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या की थी।

पहलगाम हमले के बाद से वह छिप गया था और अब रैली में उसने 24 मिनट का भाषण दिया।

उसने कहा कि पहलगाम हमले का इल्जाम उस पर लगा और अब उसका नाम पूरी दुनिया में मशहूर है।

खुफिया जानकारी के मुताबिक उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बहावलपुर में छिपाया था।

दुनिया के सामने आई पाक की सच्चाई

बता दें, इस रैली से जुड़े वीडियो और फोटो अब पूरी दुनिया में फैल चुके हैं और विशेषज्ञ इसे पाकिस्तान और आतंकियों के गठजोड़ का सबूत बता रहे हैं। हालांकि, रैली के अंत में सुरक्षाकर्मियों ने मीडिया को रिकॉर्डिंग रोकने का इशारा किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

कौन है भारतीय मूल की Megha Vemuri, जो US में फलस्तीन के समर्थन में नारा लगाकर फंसी; यूनिवर्सिटी ने की सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टोक्नोलॉजी में गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें शामिल होने से एक अमेरिकी-भारतीय छात्रा को रोक दिया गया। छात्रा का नाम मेघा वेमुरी है।

उनको इवेंट में शामिल होने से रोकने का कनेक्शन फलिस्तीन से है। दरअकर, मेघा ने हाल ही में फलिस्तीन के समर्थन में एक स्पीच दी थी, जिसके बाद यूनिवर्सिटी ने उनके कार्यक्रम में शामिल होने पर रोक लगा दी।

ग्रेजुएशन सेरेमनी से किया गया बैन- मेघा वेमुरी MIT 2025 क्लास की अध्यक्ष हैं और उन्हें इस ग्रेजुएशन सेरेमनी में इवेंट मार्शल बनना था, लेकिन यूनिवर्सिटी की चांसलर मेलिसा नोबल्स ने एलान किया मेघा अब इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं होंगी।

बोस्टन ग्लोब्स के अनुसार, चांसलर ने मेघा को एक ईमेल भेजा है जिसमें लिखा है, आपने जानबूझकर और बार-बार आयजकों को गुमराह किया। हालांकि, हम अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता के आपके अधिकार को स्वीकार करते हैं, लेकिन मंच से विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने का आपका निर्णय, एक संस्थान समारोह को बोधित करना, अभिव्यक्ति के लिए एमआईटी के समय, स्थान और तरीका कैंपस के नियमों का उल्लंघन था।

मेघा जिस समय इवेंट में स्पीच देने पहुंची उस वक्त उन्होंने एक लाल रंग का केफियेह पहना हुआ था। यह एक स्कार्फ की तरह था जिसका इस्तेमाल फलिस्तीन के लिए समर्थन दिखाने के लिए किया जाता है।

अपनी स्पीच में मेघा ने इजरायल की आलोचना की और उन्होंने यूनिवर्सिटी की भी इजरायल के साथ संबंधों को लेकर आलोचना की और साथ ही अपने साथ के ग्रेजुएशन के छात्रों से गाजा के लिए स्टैंड लेने के लिए कहा।

थरूर ने लगाई क्लास तो 48 घंटे में ही बदले कोलंबिया के सुर, वापस लिया PAK के प्रति संवेदना वाला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्तर पर भारत को बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है और भारतीय डेलिगेशन में शामिल शशि थरूर की आपत्ति के बाद कोलंबिया ने अपने उस बयान को आधिकारिक तौर पर वापस ले लिया है, जिसमें उसने भारतीय हमलों के बाद पाकिस्तान में हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त की थी।

इससे पहले भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए लोगों के प्रति कोलंबिया सरकार ने निराशा व्यक्त की थी। इस पर शशि थरूर ने कोलंबिया में जाकर चिंता जताते हुए कोलंबिया सरकार की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त की थी।

भारतीय डेलिगेशन से मुलाकात के बाद कोलंबिया की उप विदेश मंत्री रोसा योलांडा विलाविसेनियो ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि हमें आज जो स्पष्टिकरण मिला है और वास्तविक स्थिति, संघर्ष और कश्मीर में जो कुछ हुआ है, उसके बारे में अब हमारे पास जो भी जानकारी है उसके आधार पर हम बातचीत जारी रख सकते हैं।

कोलंबिया सरकार की अभी की प्रतिक्रिया पर बयान देते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उप विदेश मंत्री ने बहुत विनम्रता से जिक्र किया कि उन्होंने वह बयान वापस ले लिया है, जिस पर हमने चिंता व्यक्त की थी और वे हमारी स्थिति को पूरी तरह समझते हैं, यह हमारे लिए बहुत मूल्यवान है।

आसिम मुनीर ने फिर उगला जहर - बोला, नदी रेडलाइन है, हिंदुस्तान के आगे नहीं झुकेगा पाकिस्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान आर्मी चीफ सैयद आसिम मुनीर ने एक बार फिर सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद भारत को आंख दिखाने की कोशिश की है। पाकिस्तान अखबार डॉन ने पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के हवाले से बताया है कि मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान कभी हिंदुस्तान के आगे नहीं झुकेगा। पाक आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने कहा, पानी पाकिस्तान की रेडलाइन है और हम 24 करोड़ पाकिस्तान अपनी बुनियादी हक से कोई समझौता नहीं करेंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बीच पाकिस्तान में बलूच विद्रोही ने भी सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। इस दौरान पाकिस्तान को खुद के घर में विद्रोहियों से निपटना पड़ रहा था। बलूच विद्रोहियों को लेकर मुनीर ने कहा कि वे भारत की शह पर प्रॉक्सी की तरह काम करते हैं।

जब 1947 में ब्रिटिश भारत को भारत और पाकिस्तान में बंटवारा किया गया, तो सिंधु नदी प्रणाली संभावित संघर्ष का मुद्दा बन गई। सिंधु दोनों देशों से होकर बहती है (तिब्बत से निकलती है और अफगानिस्तान और चीन को भी छूती है)।

क्या अमेरिका से निकाल दी जाएंगी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बेटी? कौन हैं शी मिंगजे, जो दिमाग पढ़ने में है माहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है। ट्रंप ने हार्वर्ड के नियमों का पालन न करने पर उसकी फंडिंग में कटौती की है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि अमेरिका अब चीनी छात्रों के वीजा को आक्रामक तरीके से रद करेगा, खासकर उन छात्रों के जिनका संबंध चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से है। लेकिन अब इस मुद्दे से चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बेटी का नाम जुड़ने लगा है।

दरअसल शी मिंगजे भी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं और यही वजह है कि वह सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि शी मिंगजे भी अमेरिका में रहती है और अगर अमेरिकी सरकार चीनी छात्रों का वीजा रद करती है तो इसमें शी मिंगजे का नाम भी सामने आएगा।

कौन हैं शी मिंगजे - शी मिंगजे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मशहूर लोक गायिका पेंग लियुआन की इकलौती बेटी हैं। शी मिंगजे ने अपनी निजता बनाए रखने के लिए 2010 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में एक गुप्त नाम से दाखिला लिया था। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने 2014 में साइकोलॉजी और इंग्लिश में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की। कहा जाता है मिंगजे पल भर में दिमाग पढ़ लेती है।

ताइवानी मीडिया ऐसे दावे करती हैं कि शी मिंगजे की सुरक्षा के लिए चीनी बॉडीगार्ड 24 घंटे उनके साथ रहते हैं और इसमें FBI की भी मदद ली जाती है। वांटचाइना टाइम्स ने शी मिंगजे को एक सादगी पसंद और मिलनसार लड़की बताया है, जिसे किताबें पढ़ना और फैशन का शौक है।

जिस देश के पास पानी नहीं वो क्या जंग लड़ेगा, कराची एअरपोर्ट के बाथरूम में क्या देखकर भड़कीं पाक एक्ट्रेस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की हालत कैसी है, ये बात किसी से छुपी नहीं है। खुद पाकिस्तानी नागरिक आए दिन आलोचना करते नजर आते हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की एक फेमस एक्ट्रेस का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने तीखी आलोचना की है।

पाकिस्तान की फेमस एक्ट्रेस हिना ख्वाजा ब्यात ने कराची के जिन्ना अंतरराष्ट्रीय एअरपोर्ट पर पानी न होने पर आधिकारियों को निशाने पर लिया है। अपने वीडियो में हिना ने कराची एअरपोर्ट पर बुनियादी सुविधाओं की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

हिना ख्वाजा ने देश की हालत पर चिंता जताते हुए कहा कि जब राष्ट्रीय गर्व के दिन भी कराची एअरपोर्ट जैसे अहम स्थानों पर वॉशरूम में पानी तक नहीं मिल रहा तो फिर पाकिस्तान में फख्र का दावा किस बात पर किया जा रहा है?

एक्ट्रेस ने वीडियो किया शेयर - हिना ख्वाजा ने वीडियो शेयर कर आलोचना करते हुए कहा, आज यौम-ए-तकबीर है, मैं यहां कराची के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ी हूं और आज के दिन जबकि हम पाकिस्तान की अचीवमेंट्स को सेलिब्रेट कर रहे हैं, मैं यह देख रही हूं कि किसी भी वॉशरूम में पानी नहीं है।

उन्होंने कहा, लोग वजू करना चाह रहे हैं, नमाज पढ़ना चाह रहे हैं, बच्चों को लेकर वॉशरूम जाना चाह रहे हैं, लेकिन पानी नहीं है।

क्या विनाश की ओर बढ़ रही है दुनिया? बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस की डराने वाली भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या साल 2025 के अंत तक तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है? ऐसे सवाल लोगों के मन में इसलिए आ रहे हैं क्योंकि इस तरह की कई भविष्यवाणी की गई है, जिसने सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

चार विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषियों ने एक जैसी भविष्यवाणी की है। मनोविज्ञानी बाबा वेंगा, नोस्ट्राडेमस, एथोस सलोमे और निकोलस औजुला सभी का मानना है कि साल 2025 के अंत से पहले बड़े पैमाने पर युद्ध छिड़ जाएगा।

हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया था। सोशल मीडिया पर बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियां वायरल हो रही है।

नास्त्रेदमस द्वारा की गई भविष्यवाणी

नास्त्रेदमस की चर्चित किताब "Les Prophéties" के हवाले से दावा किया जा रहा है कि 2025 में दुनिया एक ऐसे युद्ध की चपेट में आ सकती है, जो भयानक तबाही ला सकता है।

इसमें लाखों लोग प्रभावित होंगे, वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका लगेगा और मानवता एक गंभीर संकट से गुजर सकती है।

इस किताब में किसी विशेष देश का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष ने इस भविष्यवाणी को नए सिरे से चर्चा में ला दिया है।

2025 में युद्ध के बारे में नास्त्रेदमस ने यूरोप में एक युद्ध के बारे में लिखा था जो ब्रिटेन को गहराई से प्रभावित करेगा।

चूहे, मधुमक्खियों से लेकर डॉल्फिन तक, ये भी करते हैं देश के सरहद की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरहदों की हिफाजत, दुश्मनों की जासूसी और खतरों की भनक लगाने के लिए अब सेनाएं सिर्फ इंसानों और तकनीकों पर ही नहीं, जानवरों की ताकत पर भी भरोसा करने लगी हैं। कहीं चूहे विस्फोटकों का पता लगाने के लिए ट्रेन हो रहे हैं, तो कहीं हाथियों से निगरानी कराई जा रही है। भारत में मधुमक्खियों की मदद से भी एक खास मिशन पर काम हो रहा है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ हथियारों का नहीं, बल्कि नए-नए तरीकों की स्ट्रेटजी से लड़ा जा रहा है।

चूहे करते हैं जासूसी- कंबोडिया, यूक्रेन, इजरायल और कई यूरोपीय देशों में चूहों को जासूस बनाया जा रहा है। ये चूहे पल भर में खतरों को भांप कर जानकारी दे देते हैं। इनकी कद-काठी बिल्कुल सामान्य चूहों की तरह ही है, जिससे की ये दुश्मनों की नजर में नहीं आते हैं। इन चूहों को 'HeroRAT' कहा जाता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सबसे नए हथियार के तौर पर मधुमक्खियों को तैनात किया है।

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में, बीएसएफ की 32वीं बटालियन ने कंटीले तारों की बाड़ के साथ मधुमक्खी पालन के बक्से लटकाना शुरू कर दिया है। ये मधुमक्खियां सिर्फ शहद के लिए नहीं हैं। इनके अंदर मौजूद मधुमक्खियों के झुंड तस्करों और घुसपैठियों के लिए काल बनकर आते हैं। अगर कोई बाड़ तोड़ने की कोशिश करता है तो ये मधुमक्खियां उनपर टूट पड़ती हैं। अमेरिका खुफिया एजेंसी ने अपने कई ऑपरेशन के लिए पक्षियों और जानवरों के इस्तेमाल किया है। जानवरों और पक्षियों की मदद से छिपकर सुनना, खुफिया जानकारी जुटाना, सुरक्षा, गुप्त संचार और फोटो निगरानी की जाती रही है।

जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के सक्रिय नियंत्रण में था स्टोर रूम, जांच समिति ने सबूत के साथ लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को नकदी बरामदगी मामले में दोषी ठहराने वाली सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने कहा है कि जिस स्टोर रूम में जली हुई नकदी मिली थी, वह जज और उनके परिवार के सक्रिय नियंत्रण में था।

सूत्रों ने बताया कि समिति को कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं जो संकेत करते हैं कि आग की घटना सामने आने के बाद स्टोर रूम से जली हुई नकदी को हटा दिया गया था।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा था और जस्टिस वर्मा के जवाब के साथ समिति की रिपोर्ट भी साझा की थी।

विभिन्न साक्ष्यों पर विचार किया

सूत्रों का कहना है कि समिति ने इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के साथ ही विभिन्न साक्ष्यों पर विचार किया और अपनी रिपोर्ट में राय व्यक्त की है कि जस्टिस वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आरोप काफी गंभीर हैं।

समिति ने साक्ष्यों का विश्लेषण किया और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा व दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख समेत 50 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए।

शशि थरूर जैसे नेता भाजपा ज्वाइन कर लें, भाजपा नेता ने खुर्शीद की तारीफ में भी पढ़े कसीदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता डीवाई सदानंद गौड़ा ने कांग्रेस नेता शशि थरूर और सलमान खुर्शीद के बयान पर उनका समर्थन किया है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने को सही ठहराया था। उनके इस बयान के बाद बीजेपी नेता डीवाई सदानंद गौड़ा ने कहा है कि वह सही कह रहे हैं।

उन्होंने कहा, सलमान खुर्शीद ने जो कहा वो आज के कश्मीर की हकीकत है। उन्होंने सही तरीके से इसे बताया है।

विपक्ष में कुछ अच्छे लोग भी- ऑपरेशन सिंदूर पर भारत सरकार का पक्ष लेकर शशि थरूर ने कई बयान दिए हैं। इसे लेकर सदानंद गौड़ा ने कहा, (विपक्ष में) कुछ अच्छे लोग हैं। मैं उनसे भाजपा से हाथ मिलाने और आतंकवाद को खत्म करने की गुजारिश करता हूं।

राहुल गांधी पीएम बने तो पीओके हमारा होगा- तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में बयान दिया है कि पाक अधिकृत कश्मीर तब वापस भारत के कब्जे में आ सकता है जब राहुल गांधी पीएम बनेंगे। इस बयान को लेकर बीजेपी नेता सदानंद गौड़ा ने कहा कि अगले 1000 हजार तक ये मुमकिन नहीं है।

दिल्ली-यूपी समेत कई राज्यों में होगी भारी बारिश, केरल में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार मानसून समय से पहले आने की वजह से केरल कर्नाटक समेत महाराष्ट्र और असम में भारी बारिश से हाल बेहाल गया है,जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में आने वाले कुछ दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। आज यानी शुक्रवार की शाम को धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

असम में भारी बारिश का रेड अलर्ट- असम के अधिकांश क्षेत्रों में अत्यधिक भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में भी भारी बारिश हो रही है जिससे असम की स्थिति और बिगड़ गई है।

गुवाहाटी में गुरुवार रात से भारी बारिश हो रही है। शहर के लगभग सभी इलाकों में जलभराव हो गया है। राज्य में नौ लाख लोगों की बिजली कनेक्शन काट दी गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार राज्य के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

केरल में पांच लोगों की मौत, कई जिलों में रेड अलर्ट जारी- केरल के सभी 14 जिलों में शुक्रवार को भारी बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। मलप्पुरम से दो लोगों के लापता होने की खबर है। राज्य में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्यभर में लगभग दो हजार घरों को आंशिक नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। 60 राहत शिविरों में लगभग दो हजार लोगों को ठहराया गया है। राज्य में शुक्रवार को अधिकांश ट्रेनें देर से चल रही हैं।

मेघालय के पूर्व खासी हिल्स जिले में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण तीन व्यक्तियों, जिनमें एक वृद्ध महिला और एक नाबालिग शामिल हैं की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।झ 25 गांवों में एक हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, मध्य प्रदेश के इंदौर से दंपती की खोज और बचाव कार्य शनिवार को फिर शुरू होगा। इन राज्यों में हो रही बारिश

इन्फ्लुएंसर, CRPF के जवान से लेकर Security Guard तक... पाक ने कैसे आम लोगों को अपने चंगुल में फंसाकर बनाया जासूस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के बाद खुफिया एजेंसियों देश के भीतर कई जासूसों की गिरफ्तारी की है। ये जासूस पाकिस्तान के इशारों पर देश के संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी एजेंट को देते थे।

भारतीय एजेंसियों ने इससे जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर जासूसी का आरोप है।

लेकिन सवाल उठता है कि कौन हैं ये लोग और पाकिस्तान को कैसे मदद कर रहे थे।

इस महीने राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और पंजाब में कम से कम 15 लोगों को हिरासत में लिया गया या गिरफ्तार किया गया। इसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से लेकर सिक्योरिटी गार्ड तक के नाम शामिल है।

मुंबई में इंजीनियर का हनीट्रैप - महाराष्ट्र एटीएस ने 27 वर्षीय इंजीनियर रविंद्र वर्मा को मुंबई से गिरफ्तार किया। वर्मा नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों से जुड़े काम करते थे। फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल्स पायल शर्मा और इसप्रीत के जरिए पाकिस्तानी एजेंट्स ने उन्हें जाल में फंसाया। वर्मा ने जहाजों के नक्शे, नाम और शेड्यूल जैसी गोपनीय जानकारी साझा की। वह नवंबर 2024 से इन एजेंट्स के संपर्क में थे।

हरियाणा पुलिस ने मशहूर ट्रैवल व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया। उन पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI से संपर्क का आरोप है। जांच में उनके फोन और लैपटॉप से 12 टीबी डेटा मिला, जिसमें ISI एजेंट्स के साथ बातचीत के सबूत हैं।

ज्योति ने पाकिस्तान की यात्राएं कीं और वहां संदिग्ध लोगों से मिलीं। उनकी सुनवाई जून में होगी। वहीं सीआरपीएफ के जवान मोती राम जाट को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली से गिरफ्तार किया। जाट पर 2023 से पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों को गोपनीय जानकारी देने का आरोप है।

एनआईए के अनुसार, जाट ने पैसे के बदले संवेदनशील जानकारी साझा की। उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों से संदेह होने के बाद यह कार्रवाई की गई। जाट 6 जून तक हिरासत में हैं।

थरूर के बाद अब खुर्शीद, PAK के साथ अपनी पार्टी को भी दिखाया आईना; बोले- पाकिस्तान ने सीजफायर के लिए जोड़े थे हाथ

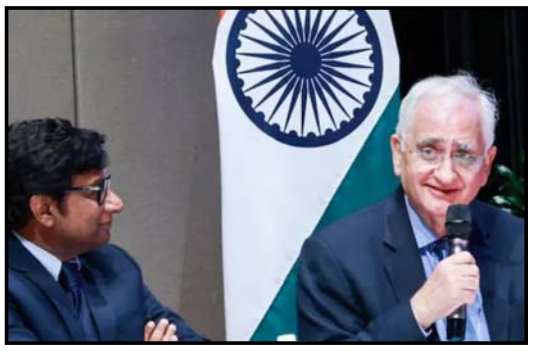

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद हुए सीजफायर को लेकर दो टूक जवाब दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि पाकिस्तान को संघर्ष में भारी नुकसान हुआ था और इसी वजह से उसने सीजफायर की पेशकश की। इसके साथ ही उन्होंने सीजफायर से जुड़े तमाम दावों और अफवाहों को बकवास करार दिया है।

कांग्रेस नेता का ये बयान खुद उनकी पार्टी लाइन से इतर है। कांग्रेस लगातार सरकार से सीजफायर में ट्रंप के कथित हस्तक्षेप के दावों पर सवाल उठा रही थी। सलमान खुर्शीद ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ संपर्क नहीं किया, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तनाव खत्म करने के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ से संपर्क किया था।

पहले किसका फोन आया था- कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, आप में से एक ने पूछा, हम क्यों (सीजफायर) रुके? यह कहना पूरी तरह से बकवास है कि हमने उन्हें (पाकिस्तान को) पहले फोन किया। हमने उन्हें पहले क्यों बुलाया? जब फोन किया गया, तब कौन रिसीव कर रहा था? यह सभी के लिए साफ है कि फोन पाकिस्तान के डीजीएमओ से भारत के डीजीएमओ को आया था। और जब उन्होंने कहा कि रोक दीजिए तो हमने रोक दिया और फिर हमने उन पर कोई और हमला नहीं किया।

थरूर ने भी पाकिस्तान की लगा दी क्लास- भारत सरकार ने कई देशों में ऑल पार्टी डेलिगेशन भेजा है। इसमें एक डेलिगेशन में कांग्रेस नेता शशि थरूर भी शामिल हैं। शशि थरूर ने बीते दिन पाकिस्तान की जमकर क्लास लगाई थी।

शशि थरूर ने कहा था, पाकिस्तान की मिल रहे सिंधु जल इसलिए स्थगित की गई क्योंकि हमने आपसी सौहार्द और अच्छी नीयत से समझौते पर हस्ताक्षर किया था। लेकिन पाकिस्तान आतंकवाद को लगातार शह दे रहा है इसलिए हमने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है...

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि समाज को जागरूक करने, विचारों को प्रेरित करने और परिवर्तन की दिशा में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है। हिंदी पत्रकारिता ने अपने उद्भव से लेकर आज तक कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हिंदी पत्रकारिता का सफर संघर्षों और उपलब्धियों से भरा रहा है। 19वीं सदी में अपने उद्भव से लेकर डिजिटल युग तक, इसने समाज को जागरूक करने और परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आर्थिक दबाव, डिजिटल युग की चुनौतियाँ, और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दों ने इसके सामने कई बाधाएँ खड़ी की हैं। फिर भी, डिजिटल क्रांति, स्थानीय पत्रकारिता, और तकनीकी नवाचारों के साथ हिंदी पत्रकारिता का भविष्य उज्ज्वल है। हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत 19वीं सदी में हुई, जब भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन अपने चरम पर था। इस दौर में हिंदी पत्रकारिता ने न केवल सूचना प्रसार का कार्य किया, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहला हिंदी समाचार पत्र ÷उदंत मार्तंड÷ 30 मई, 1826 को पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा कोलकाता से प्रकाशित किया गया। हालांकि, आर्थिक तंगी और अन्य संसाधनों की कमी के कारण यह पत्र केवल डेढ़ साल तक चल सका। यह हिंदी पत्रकारिता के शुरुआती संघर्ष का एक उदाहरण है।

उस दौर में हिंदी पत्रकारिता को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ब्रिटिश सरकार की सेंसरशिप, सीमित पाठक वर्ग, और तकनीकी संसाधनों की कमी ने पत्रकारों के लिए काम को और कठिन बना दिया। इसके बावजूद भारतेंदु हरिश्चंद्र, बाल गंगाधर तिलक, और महावीर प्रसाद द्विवेदी जैसे दिग्गजों ने हिंदी पत्रकारिता को एक मजबूत आधार प्रदान किया। भारतेंदु हरिश्चंद्र की पत्रिका कवि वचन सुधाऔर हरिश्चंद्र मैगजीन ने हिंदी साहित्य और पत्रकारिता को एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी पत्रकारिता ने जनजागरण का महत्वपूर्ण कार्य किया। स्वदेश,कर्मवीर और प्रताप जैसे समाचार पत्रों ने लोगों को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान पत्रकारों को जेल, उत्पीड़न, और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। फिर भी, हिंदी पत्रकारिता ने अपनी आवाज को दबने नहीं दिया।

स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता ने नए आयाम हासिल किए। 1950 और 1960 के दशक में हिंदी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। हिंदुस्तान, नवभारत टाइम्स, धर्मयुग और साप्ताहिक हिंदुस्तान जैसे प्रकाशनों ने हिंदी पत्रकारिता को लोकप्रिय बनाया। इस दौरान हिंदी पत्रकारिता ने शिक्षा, सामाजिक सुधार, और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौर में भी हिंदी पत्रकारिता को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हिंदी भाषी क्षेत्रों में साक्षरता दर कम होने के कारण पाठक वर्ग सीमित था। इसके अलावा, अंग्रेजी पत्रकारिता के मुकाबले हिंदी पत्रकारिता को कम गंभीरता से लिया जाता था। फिर भी, हिंदी पत्रकारिता ने अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए।

आज के दौर में हिंदी पत्रकारिता एक ओर जहां तकनीकी प्रगति और डिजिटल क्रांति के साथ कदमताल कर रही है, वहीं इसे कई नई और पुरानी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हिंदी पत्रकारिता पर कॉर्पोरेट और विज्ञापनदाताओं का प्रभाव बढ़ रहा है।

नीलम संजीव रेड्डी

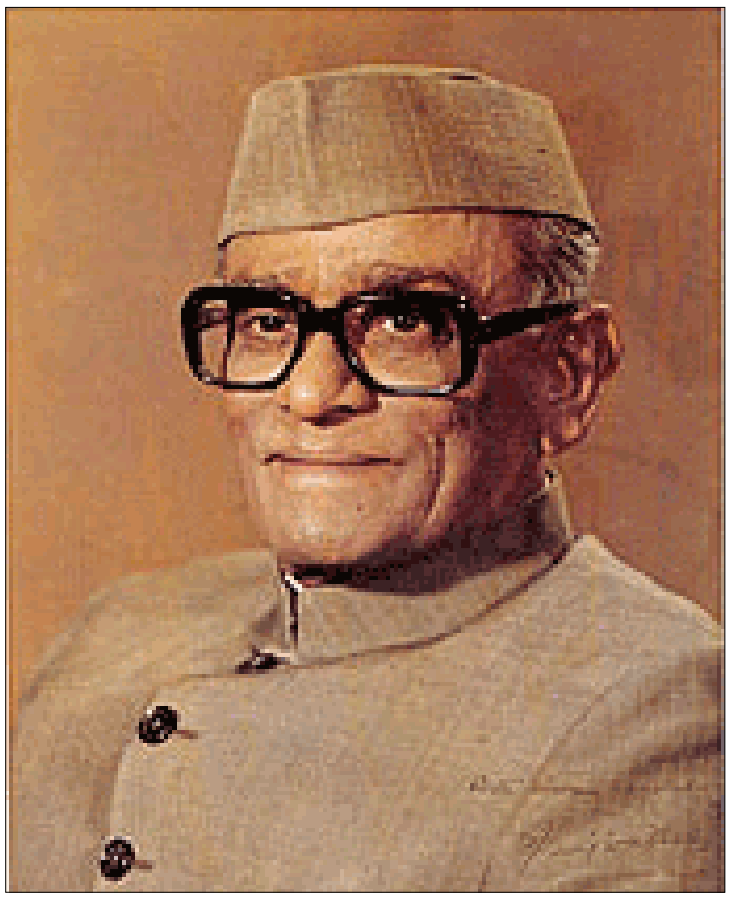

नीलम संजीव रेड्डी भारत के छठे राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते है। नीलम संजीव रेड्डी भारत के ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होते हुए प्रथम बार विफलता प्राप्त हुई और दूसरी बार उम्मीदवार बनाए जाने पर राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। प्रथम बार इन्हें वी. वी. गिरि के कारण बहुत कम अंतर से हार स्वीकार करनी पड़ी थी। तब यह कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए गए थे और अप्रत्याशित रूप से हार गए। दूसरी बार गैर कांग्रेसियों ने इन्हें प्रत्याशी बनाया और यह विजयी हुए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जब वी. वी. गिरि को राष्ट्रपति चुनाव जीतने में सफलता प्रदान कराई, तब यह लगा था कि नीलम संजीव रेड्डी ने एक ऐसा मौक़ा गंवा दिया है, जो अब उनकी ज़िन्दगी में कभी नहीं आएगा। लेकिन राजनीति के पण्डितों के अनुमान और दावे धरे रह गए। भाग्य की शुभ करवट ने नीलम संजीव रेड्डी जैसे हारे हुए योद्धा को विजयी योद्धा के रूप में परिवर्तित कर दिया। यह भारतीय राजनीति के ऐसे अध्याय बनकर सामने आए, जो अनिश्चितता का प्रतिनिधित्व करते नज़र आते हैं। संजीव रेड्डी भारत के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जो निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जीवन परिचय- नीलम संजीव रेड्डी का जन्म 19 मई, 1913 को इल्लुर ग्राम, अनंतपुर ज़िले में हुआ था, जो आंध्र प्रदेश में है। आंध्र प्रदेश के कृषक परिवार में जन्मे नीलम संजीव रेड्डी की छवि कवि, अनुभवी राजनेता एवं कुशल प्रशासक के रूप में थी। इनका परिवार संभ्रांत तथा भगवान शिव का परम भक्त था। इनके पिता का नाम नीलम चिनप्पा रेड्डी था जो कांग्रेस पार्टी के काफ़ी पुराने कार्यकर्ता और प्रसिद्ध नेता टी. प्रकाशम के साथी थे।

शिक्षा- नीलम संजीव रेड्डी की प्राथमिक शिक्षा थियोसोफिकल हाई स्कूल अड़यार, मद्रास में सम्पन्न हुई। आगे की शिक्षा आर्ट्स कॉलेज, अनंतपुर में प्राप्त की। महात्मा गांधी के आह्वान पर जब लाखों युवा पढ़ाई और नौकरी का त्याग कर स्वाधीनता संग्राम में जुड़ रहे थे, तभी नीलम संजीव रेड्डी मात्र 18 वर्ष की उम्र में ही इस आंदोलन में कूद पड़े थे। इन्होंने भी पढ़ाई छोड़ दी थी। संजीव रेड्डी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन में भी भाग लिया था। यह उस समय आकर्षण का केन्द्र बने, जब उन्होंने विद्यार्थी जीवन में सत्याग्रह किया था। वह युवा कांग्रेस के सदस्य थे। उन्होंने कई राष्ट्रवादी कार्यक्रमों में हिस्सेदारी भी की थी। इस दौरान इन्हें कई बार जेल की सज़ा भी काटनी पड़ी।

विवाह- नीलम संजीव रेड्डी का विवाह 8 जून, 1935 को नागा रत्नम्मा के साथ सम्पन्न हुआ था। इनके एक पुत्र एवं तीन पुत्रियाँ हैं। पुत्र सुधीर रेड्डी अनंतपुर में सर्जन की हैसियत से अपना स्वतंत्र क्लिनिक पार्टी ऑफ़ इण्डिया के प्रभावशाली नेता रहे हैं और आज़ादी की लड़ाई में यह भी कई बार जेल गए हैं।

राजनीतिक जीवन- बीस वर्ष की उम्र में ही नीलम संजीव रेड्डी काफ़ी सक्रिय हो चुके थे। राज्य की राजनीति में भी एक कुशल प्रशासक के तौर पर इनका प्रभाव अनुभव किया जाने लगा था। यह 1936 में आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति के सामान्य सचिव निर्वाचित हुए और इस पद पर 10 वर्ष से अधिक समय गुजारा। यह इस बात को सिद्ध करता है कि वह प्रतिभावान थे और उनमें नेतृत्व के गुण थे। नीलम संजीव रेड्डी संयुक्त मद्रास राज्य में आवासीय वन एवं मद्य निषेध मंत्रालय के कार्यों का भी सम्पादन करते थे। तब कुमारास्वामी राजा मुख्यमंत्री थे। यह समय 1949 से 1951 तक का था। 1951 में इन्होंने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया, ताकि आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाग ले सकें। इस चुनाव में नीलम संजीव रेड्डी प्रोफेसर एन.जी. रंगा को हराकर अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसी वर्ष यह अखिल भारतीय कांग्रेस कार्य समिति और केन्द्रीय संसदीय मंडल के भी निर्वाचित सदस्य बन गए। इस प्रकार इन्हें राष्ट्रीय स्तर की छवि एवं दर्जा प्राप्त हो गया।

दुर्घटना- नीलम संजीव रेड्डी के निजी जीवन में एक दुखद घटना घटी। इनका पाँच वर्षीय पुत्र मोटर दुर्घटना में काल-कवलित हो गया। इस घटना से यह इतना व्यथित हुए कि आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति की अध्यक्षता से त्यागपत्र दे दिया लेकिन इन्हें त्यागपत्र वापस लेने के लिए मना लिया गया। 1952 में इन्हें राज्य सभा के लिए चुना गया लेकिन 1953 में इन्होंने सदस्यता त्याग दी। फिर यह टी. प्रकाशम की कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे। जबकि 1955 से पूर्व तक यह मद्रास विधानसभा के लिए चुने गए।

1956 में जब राज्यों के पुनर्गठन का कार्य किया गया तो नीलम संजीव रेड्डी आंध्र प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। तब इनकी उम्र 43 वर्ष थी और यह भारत के सबसे युवा मुख्यमंत्री थे। इन्हें 3 दिसम्बर 1956 को सर्वसम्मति से अखिल भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया और इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। लेकिन यह तब मुख्यमंत्री कार्यालय में बने रहे, जब तक कि नए मुख्यमंत्री के रूप में डी. संजीवैय्या ने 11 जनवरी 1960 को अपना कार्यभार नहीं संभाल लिया। इन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता श्रीमती इंदिरा गांधी से प्राप्त हुई थी, जिन्हें 2 फरवरी 1959 को यू. एन. देवधर के त्यागपत्र देने पर अध्यक्ष बनाया गया था।

जेल यात्रा- रेड्डी 1940 से 1945 तक जेल में कैद रहे। यह प्रथम बार सितम्बर 1940 में छह माह के लिए जेल गए। तब इन्हें वेल्लूर और तिरुचिरापल्ली की जेलों में रखा गया। दूसरी बार इन्हें 1 जून 1941 से 18 मार्च 1942 तक वेल्लूर की जेल में राष्ट्रविरोधी गतिविधियाँ संचालित करने के आरोप में कैद किया गया। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान इन्हें 11 अगस्त 1942 को गिरफ्तार करके अमरावती तथा वेल्लूर की जेलों में कैद थे। वह 1945 तक जेल में रहे। रिहाई के बाद 1946 में यह मद्रास विधायिका में निर्वाचित हुए तथा 1947 में मद्रास विधायिका में सेक्रेटरी बनाए गए। 1947 में यह भारत की संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य भी रहे।

नैतिक मूल्या- रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के तीन सत्रों की अध्यक्षता की। 10 मार्च 1962 को इन्होंने कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। यह 12 मार्च 1962 को पुनः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब डी. संजीवैय्या मुख्यमंत्री पद से हटा दिए गए। फरवरी 1964 में इन्होंने स्वेच्छा से मुख्यमंत्री का पद त्याग दिया और इसका आधार नैतिक मूल्यों को बताया। आंध्र प्रदेश में सड़कों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। और उस पर उच्चतम न्यायालय द्वारा विचार किया जा रहा था। इस कारण रेड्डी ने मुख्यमंत्री बने रहना उचित नहीं समझा। इसके बाद इनके सहयोगी राज्यपाल ब्रह्मानन्द रेड्डी ने इन्हें नए मंत्रिमंडल का न्योता दिया और यह विधानसभा में कांग्रेस के नेता चुन लिए गए।

खान मंत्रालय- 9 जून 1964 को रेड्डी राष्ट्रीय राजनीति में आए और प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने इन्हें केन्द्र में स्टील एवं खान मंत्रालय प्रदान किया। 1964 में ही यह राज्यसभा के लिए मनोतीत हुए और 1967 तक इसके सदस्य बने रहे। जनवरी 1966 से मार्च 1967 तक वह प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में रहे। इन्होंने यातायात, जहाजरानी, नागरिक उड्डयन एवं टूरिज्म का कार्य कैबिनेट मंत्री के रूप में देखा। 1967 के लोक सभा चुनाव में रेड्डी हिन्दपुर से निर्वाचित हुए, जो आंध्र प्रदेश की ही सीट थी। 17 मार्च 1967 को इन्हें लोक सभा का स्पीकर बनाया गया। लेकिन 19 जुलाई 1969 को इन्होंने लोकसभा के स्पीकर पद से त्यागपत्र दे दिया। यह कांग्रेस पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव हेतु अधिकृत उम्मीदवार बनाए गए थे। इस ऐतिहासिक चुनाव ने कांग्रेस को दो भागों में विभक्त कर दिया। एक, कांग्रेस-ओ और दूसरी, कांग्रेस-आर के रूप में सामने आई। 1971 में जब लोक सभा के चुनाव आहूत हुए तो नीलम संजीव रेड्डी कांग्रेस-ओ के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे लेकिन इन्हें हार का सामना करना पड़ा। उस समय इंदिरा लहर के सम्मुख कई बड़े दिग्गज अपने पांवों की ज़मीन गंवा बैठे थे। इस हार से रेड्डी को गहरा धक्का लगा। वह अनंतपुर लौट गए और अपना अधिकांश समय कृषि कार्यों में ही गुजारने लगे। एक लम्बे अंतराल की राजनीतिक खामोशी के बाद 1 मई 1975 को नीलम संजीव रेड्डी पुनः सक्रिय राजनीति में उतरे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन और डिफेंस टेक स्टार्टअप्स में बढ़ी वेंचर कैपिटल की रुचि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिन ड्रोन्स और मिसाइल से हमले किए उनके विकास में घरेलू कंपनियों की बड़ी भूमिका थी। वहीं, कई स्टार्टअप्स ने भी उनकी तकनीक, सेंसर, रडार आदि विकसित करने में अपना योगदान दिया था। अब सीजफायर के ऐलान के बाद भारतीय ड्रोन और डिफेंस टेक स्टार्टअप्स को इसका फायदा भी मिल रहा है।

दरअसल, भारतीय सशस्त्र बलों से डिफेंस टेक इंडस्ट्री को बड़े ऑर्डर मिल रहे हैं। इससे आने वाले दिनों में इस सेक्टर में फंडिंग को बढ़ावा मिलेगा। भारत के डीप टेक सेक्टर ने साल 2024 में 1.6 अरब डॉलर की वेंचर कैपिटल फंडिंग जुटाई थी। इस साल यह आंकड़ा इससे अधिक रहने की पूरी उम्मीद है।

वेंचर कैपिटल ब्लूहिल.वीसी ने हाल ही में हैदराबाद स्थित डिफेंस टेक स्टार्टअप जेबू में एक मिलियन डॉलर की फंडिंग लीड की है। यह स्टार्टअप सशस्त्र बलों के लिए एक पूर्ण ड्रोन स्टैक विकसित कर रहा है। इसी तरह, यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स ने आईरोव में निवेश किया है, जो पैट्रोलिंग के लिए अंडरवाटर ड्रोन बनाती है।

ब्लूहिल.वीसी के पार्टनर मनु अय्यर कहते हैं, सरकार की ओर से बीते दो वर्षों में उठाए गए दो कदमों ने डिफेंस टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने का काम किया है। इसमें पहला है, आईडीईएक्स (इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस) कार्यक्रम। यह देश के विभिन्न डिफेंस स्टेक होल्डर्स को एक मंच पर लाता है, उनकी समस्याओं को समझता है और 25 करोड़ रुपये तक की ग्रांट देता है। दूसरा, 2023 में लिया गया रक्षा मंत्रालय का वह निर्णय है, जिसमें कहा गया कि 200 करोड़ रुपये तक के टेंडर के लिए कोई ग्लोबल टेंडर एन्क्वायरी नहीं बुलाई जाएगी। इससे लोकल सोर्सिंग और सप्लाई चेन का विकास जरूरी हो गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि डिफेंस टेक और वॉर मशीनरी की आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कंपनियों को बढ़ावा देना जरूरी है। आइडियाफोर्ज जैसी कंपनियां इसका उदाहरण हैं। केंद्र सरकार भी अब डिफेंस में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ाव दे रही है। हाल ही भारत सरकार ने डिफेंस सेक्टर में एक अहम फैसला लेते हुए प्राइवेट कंपनियों को भी फाइटर जेट के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया है।

99% टूट गया था अनिल अंबानी की कंपनी का शेयर, अब 1 लाख रुपये के बना दिए 50 लाख रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की पावर कंपनी रिलायंस पावर के शेयर 99 पर्सेंट टूट गए थे, इधर पांच साल से कुछ ज्यादा समय में कंपनी के शेयरों में 4951 पर्सेंट की धुआंधार तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयरों ने 5 साल से कुछ अधिक समय में 1 लाख रुपये के निवेश को 50 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। पिछले एक साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 136 पर्सेंट की तेजी आई है। अनिल अंबानी की कंपनी के शेयरों ने शुक्रवार 30 मई 2025 को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है और शेयर 60.50 रुपये पर पहुंच गए। रिलायंस पावर के शेयर शुक्रवार को 10 साल से ज्यादा के हाई लेवल पर पहुंच गए।

रिलायंस पावर के शेयर 23 मई 2008 को 274.81 रुपये पर थे। इस लेवल के बाद से कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर लुढ़कते हुए 27 मार्च 2020 को 1.15 रुपये पर जा पहुंचे। यानी, रिलायंस पावर के शेयरों में 99 पर्सेंट की गिरावट आई। इसके बाद कंपनी के शेयरों ने जोरदार वापसी की है। इधर, 5 साल से कुछ ज्यादा समय में रिलायंस पावर के शेयर 1.15 रुपये से बढ़कर 58.09 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में 4951 पर्सेंट की तूफानी तेजी आई है।

शादी में मिले गोल्ड पर देना होगा टैक्स? क्या कहता है इनकम टैक्स का नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शादी के समय लोग अलग-अलग तरह के गिफ्ट देते हैं। वही बहुत से रिश्तेदार गोल्ड देना बेहतर समझते हैं। क्योंकि इसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब विश्व अर्थव्यवस्था में स्थिति बैलेंस नहीं रहती, तो ऐसे में लोग सुरक्षित निवेश गोल्ड की ओर भागते हैं। इसलिए लोग इसे गिफ्ट में देना भी पसंद करते हैं। इसे गिफ्ट में देने का एक और कारण ये भी है कि कीमत में कभी भी गिरावट नहीं आती।

कितना देना होगा टैक्स - अगर गिफ्ट में मिले सोने की वस्तु या आभूषण की कीमत 50,000 रुपये से ज्यादा होती है, तो इसे Income from Other Source माना जाता है। इसलिए ये टैक्सेबल बन जाता है। हालांकि अगर कोई करीब के रिश्तेदार द्वारा गोल्ड गिफ्ट में दिया गया है, तो ये टैक्स फ्री हो जाता है।

ICRA की रिपोर्ट में ये तथ्य आए सामने- ICRA ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में गोल्ड ज्वैलरी की डिमांड (मूल्य के आधार पर) में 12 से 14 फीसदी की बढ़ोतरी आ सकती है। हालांकि लोग अब सोना कम मात्रा में खरीद रहे हैं। मसलन पहले कम कीमत के चलते अगर कोई 20 ग्राम सोना ले रहा था, तो अब बढ़ती कीमत की वजह से उसने ये मात्रा घटाकर 10 ग्राम कर दिया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि लोग अब ज्यादा मात्रा में सोने से बने सिक्के और बार खरीदने लगे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में सिक्के और बार की खरीदारी (मात्रा) में 10 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। पिछले वित्त वर्ष इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बढ़ोतरी के बाद सोने की कुल बिक्री में सिक्के और बार की हिस्सेदारी बढ़कर 35 फीसदी हो जाएगी।

बढ़ती कीमत के बाद भी लोग सोने में निवेश करना पसंद कर रहे हैं। क्योंकि विश्व अर्थव्यस्था में अनिश्चितता बढ़ रही है, जिसकी वजह से लोग सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर बढ़ रहे हैं।

जापान को पछाड़ विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत, चालू वित्त वर्ष में ही हो जाएगा सपना पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गत वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-मार्च) में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते-बनते रहा गया। भारत का यह सपना चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ही पूरा हो पाएगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंत ने जताया भरोसा

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी.अनंत नागेश्वरन ने भी शुक्रवार को अपनी प्रेस वार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है।

जापान की अर्थव्यवस्था का आकार चालू मूल्य पर 4.19 ट्रिलियन डॉलर- गत वित्त वर्ष की समाप्ति पर देश की अर्थव्यवस्था आकार चालू मूल्य पर 330.68 लाख करोड़ का रहा जो डॉलर टर्म में 3.9 से थोड़ा कम होता है। चौथी सबसे बड़ी जापान की अर्थव्यवस्था का आकार चालू मूल्य पर 4.19 ट्रिलियन डॉलर का है जो 358 लाख करोड़ का होता है।

चालू मूल्य पर जीडीपी विकास दर 9.8 प्रतिशत रही- गत वित्त वर्ष में चालू मूल्य पर जीडीपी विकास दर 9.8 प्रतिशत रही और चालू वित्त वर्ष में भी यह 10 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की समाप्ति पर जीडीपी का आकार 363 लाख करोड़ का हो जाएगा।

हेल्थ इंश्योरेंस में क्या होती है कैपिंग या सब लिमिट, किन खर्चों पर होती है लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। हेल्थ इंश्योरेंस खरीदते समय नियम व शर्तों को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए वरना क्लेम करते समय काफी परेशानी आती है। खासकर, कैपिंग या सब लिमिट से जुड़े रुल्स पर जरूर गौर करना चाहिए, क्योंकि इससे ही आपके हॉस्पिटल के खर्चों की सीमा तय होती है। अक्सर, ग्राहकों को यह गलतफहमी रहती है कि 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस है तो अस्पताल के सारे खर्च बीमा कंपनी उठाएगी. बेशक, उठाएगी लेकिन कुछ शर्तों के साथ, और यही शर्तें कैपिंग या सब लिमिट कहलाती हैं।

क्या होती है कैपिंग- हेल्थ इंश्योरेंस में, कैपिंग या सब-लिमिट्स से मतलब उस अधिकतम राशि से है जो बीमा कंपनी किसी पॉलिसी के तहत मेडिकल खर्च या प्रोसिजर के लिए भुगतान करती है। यह अनिवार्य रूप से स्पेशल सर्विस, जैसे हॉस्पिटल में रूम का किराया, आईसीयू चार्ज या कुछ मेडिकल प्रोसिजर के लिए मेडिकल कवरेज पर एक लिमिट के साथ आती है।

अगर, मेडिकल प्रोसिजर समेत इन सर्विसेज की लागत कैपिंग या सब लिमिट से ज्यादा है, तो बीमित व्यक्ति को खर्च का अंतर जेब से देना होता है।

मान लीजिए आपने 3 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस प्लान खरीदा, जिसमें हॉस्पिटलाइजेशन के समय रूम रेंट की कैपिंग 5000 रुपये प्रतिदिन है. अगर रूम का किराया 8000 रुपये होता है तो बाकी के 3000 रुपये का भुगतान बीमित व्यक्ति को करना होगा. ठीक, इसी तरह से कैपिंग या सब लिमिट, अन्य मेडिकल सर्विसेज पर लागू होती है।

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में कुछ स्पेसिफाइड डिसीज के लिए भी सर्जरी के खर्च कैपिंग के तहत तय होते हैं। वहीं, हॉस्पिटलाइजेशन के दौरान आईसीयू रूम चार्जेस को लेकर भी नियम होते हैं और यह बीमित राशि के 2-4त्न तय शुल्क के साथ लागू रहते हैं।

कैपिंग पर ध्यान देना क्यों जरूरी - चूंकि, कैपिंग या सब लिमिट के तहत अस्पताल में होने वाले विभिन्न अहम खर्चों की सीमा तय होती है इसलिए इनके बारे में पॉलिसी खरीदने से पहले जान लेना चाहिए। हालांकि, कुछ कंपनियां ऐसी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ऑफर करती है, जिनमें रूम रेंट पर कोई कैपिंग नहीं होती है। हालाँकि, ये पॉलिसी अक्सर हायर प्रीमियम चार्ज करती हैं।

क्रिप्टोकरेंसी पर आ सकता है ठोस कानून, बड़ी तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप क्रिप्टोकरेंसी खरीदते हैं या उसमें निवेश करते हैं तो आपके लिए एक अहम खबर आई है। दरअसल, भारत सरकार जून में क्रिप्टो एसेट पर पॉलिसी फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए पेपर जारी कर सकती है। अंग्रेजी अखबार की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ऐसे में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर आने वाले समय में नए नियम-कानून बन सकते हैं। माना जा रहा है कि ये कवायद इसलिए भी की जा रही है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार इस करेंसी को प्रमोट कर रहे हैं।

अगले महीने आने वाले पेपर में क्या होगा- क्रिप्टोकरेंसी को लेकर पेपर में संभवतः अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) और वित्तीय स्थिरता बोर्ड के सिंथेसिस लेटर से कुछ सुझावों को लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें विभिन्न न्यायालयों द्वारा अपनाए गए नियमों पर भी राय मांगी जाएगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कांग्रेस ढूंढेगी भाजपा के दोस्त, दगाबाज नेताओं से किनारा करेगी पार्टी

भोपाल । कांग्रेस पार्टी अब संगठन की मजबूती के लिए संगठन सृजन अभियान शुरु कर रही है. इस अभियान में कांग्रेस के भीतर भाजपा के मित्रों को चिह्नित किया जाएगा। ऐसे लोगों को न तो भविष्य में कोई दायित्व मिलेगा और न ही चुनाव में इनकी कोई भूमिका रहेगी।दगाबाज नेताओं से किनारा करेगी पार्टी

पार्टी ऐसे दगाबाज नेताओं से किनारा करेगी। यह काम संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत केंद्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा तैयार की जाने वाली रिपोर्ट के आधार पर होगा। इसके लिए पर्यवेक्षक स्थानीय कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेंगे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी गुजरात के अहमदाबाद में हुए पार्टी के अधिवेशन में ऐसे नेताओं से किनारा करने की बात कह चुके हैं।

ऐसे नेताओं की ब्लॉक और जिलेवार सूची बनेगी

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय प्रदेश में ऐसे कई नेताओं के नाम सामने आए थे, जो भाजपा का मित्र बनकर काम कर रहे थे। कुछ ने तो भाजपा की सदस्यता ले ली पर कुछ अब भी पार्टी में बने हुए हैं। ऐसे लोगों को संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत चिह्नित किया जाएगा। इनकी ब्लॉक और जिलेवार सूची बनेगी और फिर यदि किसी के पास कोई दायित्व है तो उसे उससे मुक्त करके किनारा कर लिया जाएगा।

दिखाने के लिए कांग्रेस के पर काम भाजपा का

दरअसल, ऐसे ही लोग संगठन और चुनाव के समय पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। दिखाने के लिए ये लोग कांग्रेस के होते हैं पर काम भाजपा के लिए करते हैं। यही कारण है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए पार्टी के अधिवेशन में ऐसे लोगों पर निशाना साधा था। केंद्रीय पर्यवेक्षकों को भी इस पर नजर रखने की हिदायत दी गई है।

अनुशासन समिति के पास लगभग 250 केस लंबित

इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने भी पार्टी से दगाबाजी करने वालों को चिह्नित करके कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। अनुशासन समिति के पास भी लगभग ढाई सौ प्रकरण लंबित है, जिन पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि जो भी लोग पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं, उन लोगों को भी संगठन सृजन अभियान के दौरान चिह्नित किया जाएगा ताकि पार्टी ऐसे लोगों से सतर्क रहकर जनता की आवाज को और मजबूती के साथ उठा सके।

सात कारोबारियों के यहां सेंट्रल जीएसटी की 7 अलग-अलग टीमों ने की दबिश

सतना। सेंट्रल जीएसटी की सात अलग-अलग टीमों ने जिले के अलग-अलग विकासखण्डों के सात प्रतिष्ठानों में दबिश दी। जिसमें चार फर्में सतना शहर, दो उचेहरा व एक चित्रकूट में स्थित है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सतना स्थित फर्म जेएलसी इंन्फ्रा इंस्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड से मौके पर 20 लाख रुपए जमा कराए हैं, जबकि दूसरी फर्म स्ट्रील फेब्रिकेटेड ने तीस लाख रुपए जमा कराने की बात कहते हुए समय की मांग की है। अन्य प्रतिष्ठानों के यहां विभाग दस्तावेजों की जांच करने में जुटा हुआ है। गौरतलब है कि सेंट्रल जीएसटी की टीम ने सभी व्यापारियों के फेक आईटीसी पास ऑन करने के संबंध में जांच करने पहुंची थी। बताया जाता है कि जांच के दौरान सभी सातों कारोबारियों के यहां से कुल मिलाकर करीब पांच करोड़ से ऊपर कर अपवंचन होना मिलने की संभावना जताई जा रहीं है।

मध्य प्रदेश में नहीं बनेंगे बच्चों में आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ाने वाले खिलौने

भोपाल। बच्चों में आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले खिलौनों का प्रदेश में निर्माण नहीं किया जाएगा। इस तरह के खिलौने बनाने वाले उद्योगों को राज्य सरकार हतोत्साहित करेगी। उन्हें अनुदान नहीं दिया जाएगा। वहीं सकारात्मकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौनों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा।

सामाजिक सुधार की दिशा में राज्य सरकार शीघ्र आवाश्यक उपाय करने जा रही है। दरअसल, सरकार का मानना है कि बच्चों में आक्रामकता फैलाने वाले खिलौनों के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसे तुरंत रोका जाना चाहिए।इन खिलौनों के निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन

पिछले दिनों सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह विषय आया था। वहां एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले खिलौनों के निर्माण को हतोत्साहित कर सकारात्मक, रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया था।

बैठक में यह विषय पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा ने भी उठाया था। उनका यह कहना था कि बच्चों में आक्रामकता फैलाने वाले खिलौनों के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए अब विभाग कार्ययोजना बना रहा है।

इंदौर के रंगवासा और सीहोर के बुदनी में खिलौना क्लस्टर

प्रदेश में इंदौर के ग्राम रंगवासा और सीहोर के बुदनी में खिलौना क्लस्टर को सरकार प्राथमिकता में रखते हुए प्रोत्साहित कर रही है। मध्य प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से इन दोनों ही औद्योगिक क्षेत्रों में खिलौना क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि आम आदमी आत्मनिर्भर बनेगा, तभी मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता हैं।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में खिलौने बेचने वालों को कम कीमत पर लकड़ी उपलब्ध कराई जा रही है और उनके लिए रोजगार का प्रबंध करने का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। दोनों क्लस्टर शासकीय भूमि पर संचालित हैं और वर्तमान में स्थापनाधीन हैं।

इनमें आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले खिलौनों के निर्माण को हतोत्साहित करने के लिए अनुदान, बैंक लोन जैसी सुविधाएं नहीं देने की तैयारी की जा रही है। बुदनी के खिलौनों की मांग ज्यादाबुदनी के लकड़ी के खिलौनों की मांग अधिक है। यहां के खिलौनों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने एवं खिलौनों की कला का प्रचार-प्रसार तथा मार्केटिंग के लिए जैम पोर्टल और बड़ी कंपनियों से बात की जा रही है।

भोपाल से दतिया तक फ्लायबिग की ट्रायल उड़ान, रेग्युलर फ्लाइट 2 जून से

भोपाल। दतिया में एयरपोर्ट बनने के साथ ही भोपाल से दतिया के बीच फ्लायबिग की उड़ान शुरू हो रही है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दतिया एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही भोपाल से दतिया के बीच एक दिन के लिए परीक्षण उड़ान होगी।

भविष्य में इसे सप्ताह में चार दिन चलाया जा सकता है। भोपाल से सतना एवं खजुराहो तक भी सीधी उड़ान शुरू करने का प्रस्ताव है। रीजनल कनेक्टिविटी के तहत हाल ही में रीवा उड़ान भी प्रारंभ हुई है।भोपाल-दतिया उड़ान संख्या एस-9507/9510 का शेड्यूल

भोपाल से प्रस्थान = सुबह 08.20 बजे

दतिया आगमन = सुबह 09.30 बजे दतिया से प्रस्थान = दोपहर 02.10 बजे

भोपाल आगमन = दोपहर 03.20 बजे

दतिया से पहली उड़ान में होंगी महिलाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज भोपाल स्थित जंबूरी मैदान से दतिया में नए एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। शुभारंभ अवसर पर दतिया एयरपोर्ट से महिला यात्रियों को लेकर विमान उड़ान भरेगा। इनमें आठ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और महिला पुलिस कर्मी शामिल होंगी।

इस मौके पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु मुख्य अतिथि, प्रभारी मंत्री ऐंदलसिंह कंषाना, सांसद संध्या राय एवं पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित रहेंगे। समारोह की शुरुआत सुबह साढ़े 10 बजे से होगी।

बता दें, दतिया मप्र का आठवां पब्लिक एयरोड्रम हवाई अड्डा होगा। नागर विमानन महानिदेशालय डीजीसीए ने 118 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित दतिया हवाई अड्डे को श्रीसी वीएफआर श्रेणी के तहत पब्लिक एरोड्रम के रूप में लाइसेंस प्रदान किया है। नियमित फ्लाइट दतिया एयरपोर्ट से दो जून को आरंभ हो जाएगी।

आंबेडकर प्रतिमा विवाद के बहाने भीम आर्मी और आजाद पार्टी जैसे संगठनों का ग्वालियर-चंबल में फिर जड़ें जमाने का प्रयास

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के विवाद को लेकर भीम आर्मी और आजाद पार्टी जैसे संगठन ग्वालियर-चंबल अंचल में अपनी जड़ें जमाने के प्रयास में हैं। 2018 में एट्रोसिटी एक्ट के नाम पर हुए जातीय संघर्ष के करीब सात वर्ष बाद अंचल में फिर तनावपूर्ण माहौल है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा प्रतिमा स्थापना के समर्थन में बयान देकर प्रदेश की राजनीति को गर्माने का प्रयास किया गया है।जातिगत राजनीति का आश्रय

उप्र की सीमा से सटे होने के कारण अंचल में जातिगत राजनीति को आश्रय अवश्य मिलता रहा है, लेकिन यहां के मतदाताओं ने इन दलों को कभी अपने वोट की ताकत देकर सत्ता तक नहीं पहुंचाया है।

आंबेडकर के नाम पर ग्वालियर-अंचल में राजनीति नई बात नहीं है। इससे पहले भी बाबा साहेब के नाम पर राजनीतिक विवादों ने तूल पकड़ा है। पहली बार जातिगत राजनीति का केंद्र उच्च न्यायालय परिसर बना है। प्रशासन का भी मानना है कि उच्च न्यायालय में संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा लगाने का मामला न्यायालय परिसर का आंतरिक मामला है।

लोक माता देवी अहिल्या बाई की परंपरा को आगे बढ़ाते कदमः इंदौर में 469 महिलाएं बनीं प्रशिक्षित ड्राइवर

परिवहन विभाग के नवाचार से आत्मनिर्भर हुई इंदौर की महिलाएं

इंदौर। जिस इंदौर की पहचान लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की न्यायप्रिय, दूरदर्शी और सामाजिक सुधारवादी शासन से होती है, वहां आज एक बार फिर महिला सशक्तिकरण की उसी परंपरा को नये रूप में जीवंत किया जा रहा है। देवी अहिल्याबाई ने जिस युग में महिलाओं को शिक्षा, संपत्ति और स्वाभिमान का अधिकार दिया था, उसी धरती पर अब परिवहन विभाग की पहल से 469 महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बन गई हैं।

घर से निकल कर स्टेयरिंग तक का सफर- घरों में झाड़ू-पोछा, बर्तन या सिलाई जैसे छोटे-मोटे काम करने वाली ये महिलाएं आज सड़क पर आत्मविश्वास के साथ वाहन चला रही हैं। कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद जब आमजन विशेषकर महिलाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा हुआ, तब क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर ने महिलाओं के लिए निःशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

इस कार्यक्रम में अब तक 13 बैचों में 469 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। हर बैच में 30 से 35 महिलाओं को शामिल किया गया, जिन्हें पहले सिम्युलेटर पर और फिर ट्रैक पर वाहन चलाने की विधिवत ट्रेनिंग दी गई।

पूर्ण प्रशिक्षण, लाइसेंस और रोजगार तक की व्यवस्था- परिवहन विभाग की एआरटीओ अर्चना मिश्रा बताती हैं, हम यह कार्यक्रम नंदानगर स्थित आईटीआई के सहयोग से चला रहे हैं। महिलाओं को न केवल वाहन चलाना सिखाया जाता है, बल्कि यातायात नियमों की जानकारी भी दी जाती है। साथ ही हम उनका लर्निंग और परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस भी स्वयं बनवाते हैं।

ई-रिक्शा से आत्मनिर्भरता की ओर- प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कई महिलाओं ने अपनी जिंदगी की दिशा ही बदल दी है। अब तक 27 महिलाओं को ष्ट्रस्क फंडिंग से 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिलवाकर ई-रिक्शा खरीदवाया गया है। 10 से अधिक महिलाएं वाहन शोरूम में कार्यरत हैं। सपना चौहान नामक महिला ने खुद का ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल शुरू कर लिया है।

राज्य शासन का प्रोत्साहन- इस नवाचार की सफलता और सामाजिक प्रभाव को देखते हुए मध्य प्रदेश शासन के कई मंत्री भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर चुके हैं।

नवाचार जो बना उदाहरण- इंदौर की यह पहल न केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम है, बल्कि यह दर्शाता है कि यदि शासन और समाज साथ मिलकर काम करें, तो बदलाव संभव है।

अहिल्याबाई होलकर के पदचिन्हों पर चलते हुए इंदौर आज भी महिला सम्मान और सशक्तिकरण की मिसाल बना हुआ है।

कलेक्टोरेट जनसुनवाई में मध्यस्थता समिति ने सुलझाए पारिवारिक विवाद

इंदौर। कलेक्टोरेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान मध्यस्थता समिति द्वारा विभिन्न पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। पति-पत्नी, ससुर, मां-बेटे और दो बहनों के बीच वर्षों से चल रहे मतभेदों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाते हुए कई परिवारों को पुनः एकजुट किया गया।

यह महत्वपूर्ण कार्य मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रमुख प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया एवं मास्टर ट्रेनर पूर्व प्रधान न्यायाधीश डॉ. मो. शमीम के मार्गदर्शन में गठित मध्यस्थता समिति द्वारा संपादित किया गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह, एडीएम श्री रोशन राय, एवं मध्यस्थता प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री विजय मंडलोई के निर्देशन में यह प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

समन्वयक श्री दिलीप गर्ग (सर्वसमाज सामुदायिक मध्यस्थता सेवा समिति, महानगर) ने बताया कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा प्रशिक्षित मध्यस्थ ड्ड हेमराज वाडिया, पुरुषोत्तम यादव, जहांगीर खान, नवीन चौधरी तथा आदित्य पंडित ने 2 से 3 सुनवाइयों में 5 जटिल पारिवारिक प्रकरणों का समाधान किया।

दो बहनों के बीच मकान विवाद- लगभग 2-3 वर्षों से चली आ रही संपत्ति संबंधी उलझन का समाधान किया गया, जिसमें बड़ी बहन ने अपनी छोटी बहन को मकान सौंपकर समझौता किया।

नागरिक अब घर बैठे शासकीय एवं निजी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से बुक करा सकेंगे अपॉइंटमेंट

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय इंदौर में आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत निरामयम हेल्पलाइन सेहत सेतु कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में इंदौर जिले के 78 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य हेल्पलाइन सेवा की कार्यप्रणाली और नागरिकों को घर बैठे डॉक्टर अपॉइंटमेंट सुविधा से अवगत कराना था। अब इंदौर, भोपाल, देवास और उज्जैन जिलों के नागरिक हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर कॉल कर विशेषज्ञ डॉक्टरों से शासकीय एवं निजी अस्पतालों में पूर्व निर्धारित अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। इससे अस्पताल में लंबी लाइन से बचाव होगा और समय की भी बचत होगी।

महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा इंदौर में महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित कर रही

इंदौर। प्रातः स्मरणीय देवी अहिल्याबाई होलकर एक साहसिक महिला होने के साथ-साथ उन्होंने कुएं, बावड़ी, मंदिर, घाट आदि निर्माण कार्य भी करायें। समाज को नागरिक बोध के साथ-साथ उन्हें स्वच्छता का संदेश भी दिया। इसी कार्य को आगे बढ़ा रही है नगर निगम की महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा।

नगर निगम इंदौर की महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा आज महिलाओं को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की ओर भी प्रेरित कर रही है। महिला चालक श्रीमती रूपांजलि वर्मा रोजाना सुबह 5 बजे घर से निकलकर आजाद नगर स्थित जीटीएस पर आती है और यहां से नगर निगम का ओपन डंपर लेकर वार्ड क्रमांक 52 की विभिन्न कॉलोनियों में घूम-घूम कर कचरा एकत्रित करती है, विशेषकर पाईंटों पर रखा कचरा। फिर इस कचरें को नगर निगम के प्लांट पर ले जाती है। इस दौरान वह लोगों से आग्रह करती है कि वे कचरें को इधर-उधर नहीं फैंके ओर एक ही स्थान पर एकत्रित करके रखें ताकि नगर निगम के ओपन डंपर में साथ चलने वाले सफाई मित्रों को उस कचरें को उठाने में परेशानी नहीं हो। वर्ष 2018 से नगर? निगम का कचरा वाहन चला रही श्रीमती वर्मा की शुरूआत चार पहिया वाहन से हुई जो घर-घर जाकर घरेलू कचरा एकत्रित करती है। इस वाहन में गीला और सूखें कचरें के अलावा, डायपर, प्लास्टिक, इलेक्ट्रिक ट्यूब लाईट आदि के अलग-अलग खाने बने होते है।

भरतनाट्यम नृत्यांगना श्रुति राजीव शर्मा नृत्य कला और गायन के माध्यम से बालिकाओं को कर रही सशक्त

इंदौर। पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर शिव भक्त होने के साथ-साथ उन्होंने सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए कई प्रकार के सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठान के साथ कल्याणकारी कार्य भी किये। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर भरतनाट्यम नृत्यांगना और कलागुरू श्रीमती श्रुति राजीव शर्मा नृत्य कला और गायन के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं को सशक्त कर रही है। कलागुरू श्रीमती श्रुति शर्मा ने अभी तक 4 हजार से अधिक बालिकाओं और महिलाओं को भरतनाट्यम नृत्य का विधिवत प्रशिक्षण देकर उन्हें भारत के सांस्कृतिक मूल्यों और विरासत से न केवल जोड़ा, बल्कि उन्हें सशक्त भी किया। उल्लेखनीय है कि भरतनाट्यम नृत्य कला दो हजार वर्ष से अधिक पुरानी कला है, जो विशेषकर दक्षिण भारत में सर्वाधिक लोकप्रिय है। श्रुति शर्मा इस नृत्य कला का देशभर में प्रसार-प्रचार करने के साथ-साथ इसे पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, नारी सशक्तिकरण, बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं आदि विषयों से जोड़कर इसे और अधिक लोकप्रिय बना रही है।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्य समयसीमा में करें पूर्ण : संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग संबंधी योजनाएं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे संभाग में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दें। सभी मत्स्य पालकों को जरूरी सुविधा उपलब्ध करायें। सभी पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ दिलायें और कोई भी हितग्राही शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के वार्षिक लक्ष्य समयसीमा में पूर्ण किये जाये। राज्य सरकार के निर्देश पर एएफडीपी पोर्टल में मछुआरे के पंजीकरण कार्य में सहयोग दें। नवीन तकनीक से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि किये जाने हेतु बायोफ्लाक की स्थापना की जाये। जिला स्तर पर आवंटित किये गये किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण किये जाने हेतु जिला लेवल पर अग्रणी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किये जाये तथा जिला स्तर पर निर्धारित समयसीमा में उसकी समीक्षा हो।

संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि मत्स्य उत्पादन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समयसीमा में योजनाबद्ध तरीके से पूर्ण करें। कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में संभाग में जल संसाधन की उपलब्धता, मत्स्य उत्पादन लक्ष्य पर चर्चा हुई। साथ ही मत्स्य समितियों के सरकारी बैंक में खाते और संभाग में मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड की स्थिति पर चर्चा हुई।

सीएसआर फंड से इंदौर के विकास को मिलेगी नई दिशा

कलेक्टर आशीष सिंह ने औद्योगिक संगठनों/संस्थानों के समक्ष रखे विकास प्रस्ताव, सहयोग का किया आग्रह

इंदौर। इंदौर जिले में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के माध्यम से विकास की नई पहल प्रारंभ की जा रही है। इसी कड़ी में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के प्रमुख उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के सर्वांगीण विकास के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों को औद्योगिक संगठनों के समक्ष प्रस्तुत किया और उनसे सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। प्रस्तावों में जिले के शासकीय स्कूलों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, स्मार्ट क्लास की स्थापना, खेल सुविधाओं का विकास, आपदा प्रबंधन के लिए उपकरण और बचाव सामग्री, अधोसंरचना निर्माण, कल्याणकारी संस्थाओं के भवनों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण सुधार के प्रयास, स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार शामिल हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा, इंदौर में सीएसआर फंड के माध्यम से विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उद्योग जगत का सहयोग इस दिशा में निर्णायक सिद्ध हो सकता है। हम सभी औद्योगिक इकाइयों से अपील करते हैं कि वे सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत जिले के विकास में सहभागी बनें।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री ने 864 करोड़ रुपए की लागत से 29 किमी के शिप्रा घाट निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनि मंदिर से नागदा बायपास तक शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर 29 किमी का घाट निर्माण किया जाएगा

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को अंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत 864 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया । मुख्यमंत्री डॉ यादव के द्वारा

779 करोड़ रुपए की लागत से शिप्रा नदी पर निर्मित होने वाले 29 किमी के नवीन घाट और शिप्रा नदी पर लगभग 85 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 21 बैराजों का भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि आज का कार्यक्रम सच्चे अर्थों में एक धर्म सभा है। सभी संतों की गरिमामय उपस्थिति में यह आयोजन किया जा

रहा है। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। हमारा प्राचीन समय देश की संस्कृति के लिए स्वर्णिम काल रहा है। श्रीमंत महादजी सिंधिया और मल्हार राव होलकर जी के द्वारा विदेशी आक्रमण कारियों के द्वारा ध्वस्त किए गए सभी देवस्थानों का जीर्णोद्धार करवाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई के सास ससुर के लिए वे उनकी बहू नहीं बल्कि बेटी के समान थीं । देवी अहिल्याबाई के जीवन में गंगा सी पवित्रता और नर्मदा सी सादगी है। उनके ससुर ने हमेशा उन्हें प्रेरणा दी, उनकी योग्यताओं को पहचाना। देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा की। अहिल्याबाई ने पूरा शासन महादेव को समर्पित कर किया। उनके लिए सभी लोग समान थे । उन्होंने राज्य में सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित किये ।उन्होंने सभी देवस्थानों और मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि आज शिप्रा नदी पर बनने वाले नवीन घाटों का भूमि पूजन किया गया है। शिप्रा नदी में दूषित पानी ना मिले इसके लिए सरकार द्वारा गंभीर नदी के डैम के नीचे दूषित पानी को भेजा जाएगा तथा वहां उसे फिल्टर किया जाएगा ।

विश्व तंबाकू दिवस पर दिया संदेश ''व्यसन से बचाएं सृजन में लगाएं''

सोचो समझो बचों नशे से, जीवन जियो बड़े मजे से

उज्जैन। 31 मई तंबाकू निषेध दिवस पर अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा प्रातः अंकपात क्षेत्र में व्यसन उन्मूलन रैली निकालकर तम्बाकू के उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति लोगों को सचेत किया गया।

तम्बाकू का सेवन करने वाले नागरिकों से अनुरोध किया गया कि आज के दिन साहस करते हुए व्यसन छोड़ने के लिए संकल्पित हों। मनुष्य के संकल्प और साहस के आगे कोई भी बाधा नहीं टिक सकती, फिर अदनी सी तंबाकू ,,बीड़ी सिगरेट ,गुटका पाउच की लत से हम मानवीय जीवन को बचाने के लिए क्यों ना संकल्पित हों? सांयकाल गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन के द्वार पर आयोजित जन जाग्रति शिविर में गायत्री परिवार उज्जैन के व्यसन एवं कुरूति उन्मूलन अभियान के समन्वयक सुभाष गुप्ता ने तम्बाकू सेवन की लत से बचने की उपाय बताए। आपने कहा 'सोचो समझो बचो नशे से, जीवन जियो बड़े मजे से'। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने आकर अपनी तंबाकू, बीड़ी, गुटखा, सिगरेट छोड़ने का संकल्प भी लिया।

रविवार को गायत्री जयंती के उपलक्ष में गायत्री शक्तिपीठ पर सुबह 6 से शाम 6 बजे तक अखंड गायत्री मंत्र जप होगा। इसमें साधक बारी बारी से एक एक घंटे सामूहिक मंत्र जप करेंगे।

पत्रकारों का संघर्ष कभी नहीं भूलना चाहिए-खान

उज्जैन। कलाम सर्वधर्म सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस पर तीन पत्रकारों का सम्मान पुरस्कार एवं शिल्ड दे कर किया। बंटी शाह एवं इरफान राइन ने बताया कि संस्था द्वारा पत्रकार पंकज जायसवाल, असलम खान, खोजेमा चांदा भाई वाला का सम्मान किया गया। संस्था ने यह भी निर्णय लिया है कि प्रत्यक्ष वर्ष हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर संस्था तीन पत्रकारों का सम्मान करेगी।

मैं अहिल्या हूँ' विषय पर हुई प्रांत स्तरीय 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

उज्जैन। प्रातः स्मरणीय लोक माता अहिल्या देवी के त्रिशताब्दी जन्म उत्सव पर हम उनके महान चरित्र के कुछ अंश से अपने जीवन को चरितार्थ कर पायें। इस उद्देश्य से अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 'मैं अहिल्या हूँ' विषय पर प्रांतीय स्तर पर 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रांत की लगभग 12 शाखाओं की बालिकाओं ने भाग लिया।

प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमारी बागड़ी ने बताया कि सभी का प्रयास सराहनीय रहा। बच्चों ने बहुत शानदार अभिनय किया। प्रतियोगिता करने का अभिप्राय यही था कि बच्चें माता अहिल्या के जीवन चरित्र को पढकर अपने जीवन मे उतार कर समाज व देश हित में कुछ कर पाएँ। सभी बारह शाखाओं के बच्चों ने उत्साह पूर्वक आयोजन में भाग लिया व कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन में प्रथम शिविका मेहरा, शाखा महानंदानगर उज्जैन, द्वितीय माही सोनी, शाखा सिहोर, तृतीय नियति अग्रवाल, शाखा टिमरनी रही। प्रोत्साहन पुरस्कार अक्षिता अग्रवाल, शाखा खरगोन को प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता के परिणाम का निर्णय निर्णायक समिति के सदस्य प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमारी बागड़ी, राष्ट्रीय अंचल प्रमुख सुमन मुंदड़ा, राष्ट्रीय बाल विकास प्रमुख इन्दु गर्ग, अंशु गुप्ता, प्रांतीय सचिव रूचीका खंडेलवाल, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष संध्या सारडा, प्रांतीय बालविकास प्रकल्प प्रमुख सरिता खंडेलवाल रहीं। सभी विजेताओं को मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व विजेताओं को पुरस्कृत दिया जायेगा।

वर्ल्ड एवं एशिया बॉडीबिल्डिंग इंडिया टीम सिलेक्शन कमेटी के सदस्य शैलेंद्र व्यास एवं जितेंद्र सिंह कुशवाह होंगे

उज्जैन। इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन मुंबई के तत्वावधान में महाराष्ट्र बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा वर्ल्ड एवं एशिया बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप हेतु टीम इंडिया के सिलेक्शन ट्रायल स्पर्धा का भव्य आयोजन पुणे में किया जा रहा है।

उक्त खेल आशय की जानकारी देते हुए राज्य शरीर सौष्ठव संस्था के चेयर मेन प्रेम सिंह यादव ने बताया कि आगामी 18 से 25 अगस्त तक बैंकॉक थाईलैंड में 57वीं एशियाई बॉडीबिल्डिंग और फिजिक बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप एवं 16वीं वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक स्पर्धा का आयोजन 11 से 17 नवंबर 2025 तक इंडोनेशिया में किया जा रहा है। उक्त स्पर्धा हेतु टीम इंडिया की सिलेक्शन ट्रायल स्पर्धा का आयोजन 2 से 3 जून तक सिल्वर पैलेस रिसोर्ट रिसोर्ट पुणे में किया जा रहा है। स्पर्धा में राष्ट्रीय निर्णायक शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके एवं पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज जितेन्द्र सिंह कुशवाह को टीम इंडिया के सिलेक्शन कमेटी में आमंत्रित किया गया है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर रैली निकाल कर मेघावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया

उज्जैन। स्वर्गीय श्री बाबूलाल जी गेहलोत मार्ग स्थित राणा राजपुत समाज में महाराणा प्रताप जयंती पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह शौर्य यात्रा (वाहन रेली) निकलकर सामाजिक संदेश दिया, वही दिन का धर्मशाला में समाज की महिलाओं द्वारा दिन में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, व तृतीय स्थान प्राप्त बहनों का सम्मान व पुरस्कार वितरण किया गया। शाम को राणा राजपुत समाज के मेघावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह व समस्त समाज का सहभोज आयोजित किया। कार्यक्रम के अतिथि= विजयसिंह कुशवाह (क्षेत्रीय पार्षदएवं एवं जोन अध्यक्ष) विशेष अतिथि= श्री हरिनारायण जी गेहलोत (रि. उपमहाप्रबंधक वित्त विभाग म. प्र.) विशेष अतिथि= श्री दिनेशसिंह जी मकवाना (उदयपुर राजस्थान के पधारे वरिष्ठ समाज सेवी) अध्यक्षता= श्री अंबाशकर जी गेहलोत (राणा राजपुत समाज अध्यक्ष) संचालन= ललित कुमार गेहलोत ने किया। आभार= निलेश गेहलोत राणा राजपुत के युवा अध्यक्ष ने किया। जानकारी मनोज गेहलोत ने दी।उपस्तिथ रहे= लक्ष्मीबाई गेहलोत समाज की महिला अध्यक्ष, ग्यारसीबाई मकवाना, भरत तंवर, विपिन सोलंकी, पुरुषोत्तम गेहलोत, अवंतिलाल सोलंकी, निलेश कोशिसा, कान्हा गेहलोत, केलाश गेहलोत, आकाश गेहलोत, पवन गेहलोत, निर्मल गेहलोत आदि समस्त समाज जन उपस्थित रहे यह जानकारी रूपसिंह गेहलोत ने दी।

4 दिवसीय श्री महेश नवमी महोत्सव का शुभारंभ आज

उज्जैन। 4 दिवसीय श्री महेश नवमी महोत्सव का शुभारंभ आज 1 जून रविवार प्रातः 11:30 बजे श्री माहेश्वरी भवन, गोलामंडी में किया जाएगा। जिसमें महेश नवमी 2025 फोल्डर के सहयोगी विज्ञापनदाताओं का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नरेन्द्र मंत्री, घनश्याम भूतड़ा माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं परामर्शदाता होंगे। स्वल्पाहार प्रायोजक शुभारंभ सत्र के नंदकिशोर लखोटिया मुख्य संयोजक महेश नवमी पर्व 2025, सुभाष लखोटिया रहेंगे। प्रथम दिवस शुद्ध हिन्दी लेखन प्रतियोगिता (6 से 10 वर्ष तक के बच्चों के लिये) दोपहर 1 बजे से 1:30 बजे तक होगी जिसकी संयोजक अर्चना भूतड़ा, मनोरमा मंडोवरा, कुसुम भूतड़ा, मंजूषा मूंदड़ा रहेंगी। साड़ी ड्रेपिंग (साड़ी के माध्यम से विभिन्न प्रांतों की विशेषता बताना) (घर से तैयार होकर आना) दोपहर 1:30 से 2 बजे तक होगी जिसकी संयोजक शीतल मूंदडा, संतोष सोडानी, उषा लखोटिया, हेमा समदानी, अनिता चांडक रहेंगी। जल को करे सरंक्षित, भविष्य होगा सुरक्षित व्याख्यान सभी वर्ग के लिये प्रत्येक के लिये 3 मिनिट समय दोपहर 2 बजे से (स्व. श्री नंदलालजी काबरा की प्रेरणा से) होगा जिसकी संयोजक मधु लड्ढा, शीला मंडोवरा, वनीता भूतड़ा, सीमा पलोड़ रहेंगी। एकल नृत्य प्रतियोगिता (भक्ति रस के साथ) दोपहर 2:30 बजे से होगी जिसकी संयोजक पुष्पा मंत्री, ममता बांगड़, राजश्री भूतड़ा, संध्या बाहेती होंगी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com